IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

भारतीय राजनीति में लालकृष्ण आडवाणी का योगदानः एक अध्ययन

[1]डॉ बबीता, [2]मनीषा

[1]शोधनिर्देशिका, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर, रोहतक।

[2]शोधार्थी, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर, रोहतक।

सारांशः

लाल कृष्ण आडवाणी भारतीय राजनीति के एक प्रमुख और प्रभावशाली नेता हैं, जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को एक सशक्त राजनीतिक दल के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका राजनीतिक जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ने के साथ शुरू हुआ, जिसने उन्हें राष्ट्रवादी विचारधारा और हिंदुत्व के सिद्धांतों की ओर प्रेरित किया। आडवाणी ने 1951 में भारतीय जनसंघ से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की, जो आगे चलकर 1980 में बीजेपी के रूप में विकसित हुआ। आडवाणी का सबसे महत्वपूर्ण योगदान 1990 के दशक में राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान सामने आया, जब उन्होंने सोमनाथ से अयोध्या तक रथ यात्रा का नेतृत्व किया। इस अभियान ने बीजेपी को व्यापक जनसमर्थन दिलाया और उसे राष्ट्रीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान दिलाया। उनके नेतृत्व में, बीजेपी ने 1990 के दशक में और 21वीं सदी की शुरुआत में राष्ट्रीय राजनीति में अपनी स्थिति को मजबूत किया। आडवाणी 2002 से 2004 तक भारत के उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री रहे, जहाँ उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनकी विचारधारा में राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक हिंदुत्व और देश की अखंडता की भावना प्रमुख थी। लाल कृष्ण आडवाणी का राजनीतिक जीवन भारतीय राजनीति में एक नया मोड़ लाया, जहां उन्होंने कांग्रेस के वर्चस्व को चुनौती दी और बीजेपी को एक मजबूत विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। उनकी रणनीतियां और नेतृत्व भारतीय राजनीति के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज हैं। प्रस्तुत शोध पत्र में भारतीय राजनीति में लाल कृष्ण आडवाणी की भूमिका का अध्ययन किया गया है।

मुख्य शब्द : लाल कृष्ण आडवानी, भारतीय राजनीति, योगदान, भारतीय जनता पार्टी।

भूमिका:

लाल कृष्ण आडवाणी भारतीय राजनीति के उन महान नेताओं में से एक हैं, जिन्होंने न केवल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को एक सशक्त राजनीतिक दल के रूप में स्थापित किया, बल्कि भारतीय राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव भी लाए। उनका जन्म 8 नवंबर 1927 को कराची (वर्तमान पाकिस्तान) में हुआ था। आरंभिक जीवन से ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ गए थे, जिसने उनके विचारों और राजनीतिक दृष्टिकोण को गहराई से प्रभावित किया। आडवाणी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1951 में भारतीय जनसंघ के साथ की। जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक होने के नाते, उन्होंने पार्टी को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए। 1980 में जब जनसंघ ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के रूप में नया रूप लिया, तो आडवाणी इसके प्रमुख नेताओं में से एक बने। अटल बिहारी वाजपेयी के साथ मिलकर उन्होंने बीजेपी को एक राष्ट्रीय दल के रूप में स्थापित करने का काम किया, जो बाद में कांग्रेस के वर्चस्व को चुनौती देने में सक्षम हो गया। आडवाणी का राजनीतिक करियर तब और चमका जब उन्होंने 1990 के दशक में राम जन्मभूमि आंदोलन का नेतृत्व किया। इस आंदोलन के तहत उन्होंने सोमनाथ से अयोध्या तक रथ यात्रा का आयोजन किया, जो भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। इस रथ यात्रा ने न केवल हिंदुत्व की भावना को प्रबल किया, बल्कि बीजेपी को राष्ट्रीय स्तर पर एक सशक्त राजनीतिक शक्ति के रूप में उभारा। इस आंदोलन के कारण बीजेपी की लोकप्रियता और जनाधार में भारी वृद्धि हुई, जिससे वह 1990 के दशक के अंत तक केंद्र की राजनीति में एक प्रमुख भूमिका में आ गई। 1998 में बीजेपी ने केंद्र में सरकार बनाई, और लाल कृष्ण आडवाणी ने उस सरकार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2002 से 2004 तक उन्होंने भारत के उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री के रूप में कार्य किया। इस दौरान उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनके नेतृत्व में गृह मंत्रालय ने आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाए और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दी। आडवाणी का राजनीतिक दर्शन राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक हिंदुत्व, और भारत की एकता और अखंडता पर आधारित था। उनके विचारों ने बीजेपी की विचारधारा को गहराई से प्रभावित किया और उसे एक प्रखर राष्ट्रवादी दल के रूप में स्थापित किया। आडवाणी ने हमेशा एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का सपना देखा, और उनके नेतृत्व ने बीजेपी को उस दिशा में आगे बढ़ाया। लाल कृष्ण आडवाणी का योगदान केवल उनकी पार्टी तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने भारतीय राजनीति के पूरे परिदृश्य को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में बीजेपी ने कांग्रेस के लंबे समय तक चले वर्चस्व को चुनौती दी और भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय लिखा। उनकी रणनीतियां, उनका नेतृत्व, और उनकी दूरदर्शिता ने उन्हें भारतीय राजनीति के एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित किया।

अध्ययन के उद्देश्यः

1.लाल कृष्ण आडवानी का अध्ययन करना।

2. भारतीय राजनीति में लाल कृष्ण आडवाणी की भूमिका का अध्ययन करना।

शोध प्रविधि :–

यह शोध पत्र द्वितीयक स्त्रोतो पर आधारित है जिसके लिए पुस्तकों, शोध जर्नल में प्रकाशित शोध पत्रों का अध्ययन किया गया है तथा विभिन्न समाचार पत्रों व पुस्तकों से आंकड़ों को इकट्ठा किया गया है। इस प्रकार शोध पत्र हेतु विश्लेषणात्मक पद्धति का प्रयोग किया गया है।

साहित्य अवलोकनः

1. दिलीप सिंह सोढी(1999),"आडवानी अयोध्या : ए स्टडी ऑफ इंडियन पॉलिटिक्स", प्रस्तुत पुस्तक में लेखक सोढ़ी ने लाल कृष्ण आडवाणी की भूमिका और उनके द्वारा अयोध्या आंदोलन में निभाई गई भूमिका का विश्लेषण किया है। यह किताब भारतीय राजनीति के संदर्भ में आडवाणी के प्रभाव और उनकी राजनीतिक विचारधारा पर गहराई से प्रकाश डालती है।

2. विश्वेश्वर टंडन (2000),"आडवानी एंड द राइस ऑफ द बीजेपी", इस पुस्तक में, लेखक ने लाल कृष्ण आडवाणी के जीवन और उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (BJP) के उभार की प्रक्रिया का विश्लेषण किया है। इसमें आडवाणी के राजनीतिक करियर, उनके विचारधारा, और पार्टी के विकास पर विस्तृत चर्चा की गई है। यह पुस्तक आडवाणी की भूमिका को भारतीय राजनीति के संदर्भ में समझने के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

3. एम वी कामत (2000),"एलके आडवानी एण्ड द पॉलिटिक्स ऑफ द बीजेपी", पुस्तक आडवाणी के राजनीतिक सफर की शुरुआत से लेकर उनकी प्रमुख राजनीतिक सफलताओं तक की यात्रा को दस्तावेजित करती है। इसमें उनके राजनीतिक करियर की प्रमुख घटनाओं और उनके द्वारा निभाए गए विभिन्न भूमिकाओं का विश्लेषण किया गया है। इसमें आडवाणी के नेतृत्व में BJP के विकास और उनकी रणनीतियों का विवरण है। लेखक ने आडवाणी की भूमिका को भारतीय राजनीति में पार्टी के बढ़ते प्रभाव और उसकी स्थापना में महत्वपूर्ण बताया है। इसके साथ साथ पुस्तक में अयोध्या आंदोलन की भूमिका और आडवाणी की इसमें प्रमुख भूमिका को भी विशेष महत्व दिया गया है। यह आंदोलन उनके राजनीतिक करियर के एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

4. राम चंद्र गुहा (2013) ,"आडवानी ए पॉलिटिक्स बायोग्राफी", प्रस्तुत पुस्तक में आडवाणी के प्रारंभिक जीवन, उनके शिक्षा और करियर की शुरुआत से शुरू होती है। इसमें उनके परिवार और प्रारंभिक जीवन के प्रभाव पर चर्चा की गई है। लेखक ने आडवाणी के राजनीतिक करियर के प्रमुख पहलुओं को दर्शाया

है, जिसमें उनके भारतीय जनता पार्टी (BJP) में योगदान, उनकी राजनीतिक रणनीतियाँ, और पार्टी के विकास के साथ उनकी भूमिका शामिल हैं। पुस्तक में अयोध्या आंदोलन और आडवाणी की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका को विस्तार से वर्णित किया गया है। यह आंदोलन आडवाणी के राजनीतिक जीवन का एक महत्वपूर्ण और विवादास्पद पहलू रहा है।

5. जया जटेली (2014),"नायक : ए पॉलिटिकल बियोग्राफी ऑफ एल. के आडवानी",प्रस्तुत पुस्तक में आडवाणी के जीवन की शुरुआत, उनकी शिक्षा, और उनके राजनीतिक करियर की नींव से संबंधित घटनाओं पर प्रकाश डालती है। इसमें आडवाणी के भारतीय जनता पार्टी (BJP) में उभार, उनके द्वारा की गई प्रमुख राजनीतिक गतिविधियाँ, और उनकी पार्टी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया है। पुस्तक में अयोध्या के बारे में भी बताया गया है कि आंदोलन की प्रमुख भूमिका और आडवाणी के इसमें नेतृत्व की भूमिका का विस्तार से विश्लेषण किया गया है। यह आंदोलन उनके राजनीतिक करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ रहा है। जेटली ने आडवाणी की राजनीतिक विचारधारा और उनके सामाजिक दृष्टिकोण पर भी चर्चा की है, जिससे उनकी विचारधारा और उसके प्रभाव को समझा जा सकता है।

भारतीय राजनीति में लालकृष्ण आडवाणी जी की भूमिकाः

लाल कृष्ण आडवाणी भारतीय राजनीति के एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली नेता रहे हैं, जिन्होंने अपने लंबे राजनीतिक करियर में कई महत्वपूर्ण कार्य किए और भारतीय राजनीति के स्वरूप को बदलने में अहम भूमिका निभाई। आडवाणी का राजनीतिक जीवन आरंभिक रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़कर शुरू हुआ, जिसके बाद उन्होंने भारतीय जनसंघ और फिर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

1. बीजेपी का गठन और उसे मजबूत बनानाः

लाल कृष्ण आडवाणी का सबसे बड़ा योगदान भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को एक सशक्त राजनीतिक दल के रूप में स्थापित करना है। 1980 में जब जनसंघ का भारतीय जनता पार्टी में विलय हुआ, तो आडवाणी इसके संस्थापक नेताओं में से एक थे। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के साथ मिलकर पार्टी की विचारधारा को स्पष्ट किया और उसे एक राष्ट्रवादी दल के रूप में विकसित किया। उन्होंने पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया और उसे राष्टीय श्र विस्तारित किया।

2. राम जन्मभूमि आंदोलन और रथ यात्राः

आडवाणी के राजनीतिक जीवन की सबसे महत्वपूर्ण घटना 1990 में हुई जब उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन के तहत सोमनाथ से अयोध्या तक रथ यात्रा का नेतृत्व किया। इस यात्रा ने न केवल बीजेपी को हिंदुत्व की विचारधारा के साथ राष्ट्रीय राजनीति में एक नई पहचान दिलाई, बल्कि पार्टी के जनाधार में भी व्यापक वृद्धि की। इस आंदोलन ने बीजेपी को राष्ट्रीय राजनीति में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित किया, जिससे वह 1990 के दशक में सत्ता के करीब पहुंची।

3. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की स्थापना:

1998 में, आडवाणी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने बीजेपी को अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन करके केंद्र में सरकार बनाने में मदद की। इस गठबंधन के तहत अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में सरकार बनी, जिसमें आडवाणी ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

4. उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री के रूप में कार्य :

2002 से 2004 तक, आडवाणी भारत के उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री रहे। इस दौरान उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनकी पहल पर राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया, और आतंकवाद के खिलाफ सख्त नीतियां अपनाई गईं। आडवाणी के गृहमंत्री रहते हुए ही भारतीय संसद पर हुए हमले के बाद देश में आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाए गए।

5. राष्ट्रीय राजनीति में नई धारा का प्रवाह :

लाल कृष्ण आडवाणी ने भारतीय राजनीति में एक नई धारा प्रवाहित की, जिसमें हिंदुत्व, राष्ट्रवाद, और सांस्कृतिक अखंडता के सिद्धांत प्रमुख थे। उन्होंने कांग्रेस के लंबे समय से चले आ रहे प्रभुत्व को चुनौती दी और बीजेपी को एक मजबूत विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। उनके नेतृत्व में बीजेपी ने 21 वीं सदी के आरंभ में भारतीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान हासिल किया।

6. संगठनात्मक कौशल और नेतृत्व :

आडवाणी ने न केवल पार्टी के संगठन को मजबूत किया, बल्कि उन्होंने युवा नेताओं को आगे बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व कौशल के कारण बीजेपी में एक ठोस संगठनात्मक ढांचा विकसित हुआ, जो आज भी पार्टी की ताकत है। भारतीए जनता पार्टी में लाल कृष्ण आडवाणी का योगदान लाल कृष्ण आडवाणी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सबसे प्रमुख और संस्थापक नेताओं में से एक हैं। उनके योगदान ने पार्टी को भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाने में मदद की। यहाँ उनके योगदान की कुछ प्रमुख बातें दी गई हैं आडवाणी भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। उन्होंने 1980 में अटल बिहारी वाजपेयी के साथ मिलकर भारतीय जनसंघ से भारतीय जनता पार्टी का गठन किया। यह नया संगठन भारतीय राजनीति में एक बड़ा धारा परिवर्तन साबित हुआ। जन्मभूमि आंदोलन के समर्थन में एक रथ यात्रा की शुरुआत की, जो सोमनाथ से अयोध्या तक थी। इस यात्रा ने भाजपा को एक व्यापक जन समर्थन दिलाया और पार्टी को भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाने में मदद की।

संगठनात्मक कौशल:

आडवाणी ने भाजपा को एक मजबूत संगठन के रूप में खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने पार्टी के कैडर को प्रशिक्षित किया और उसे एक अनुशासित और संगठित राजनीतिक शक्ति में बदल दिया। आडवाणी ने पार्टी को एक स्पष्ट हिंदुत्व विचारधारा के साथ मार्गदर्शन किया, जिसने भाजपा को उसकी पहचान बनाने में मदद की। उन्होंने पार्टी को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पहचान, और सामाजिक न्याय के मुद्दों

पर केंद्रित किया। 1998 से 2004 तक, जब अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए सरकार थी, आडवाणी ने भारत के उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। 2009 के आम चुनावों में, भाजपा ने आडवाणी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में प्रस्तुत किया। हालांकि पार्टी को उस चुनाव में जीत नहीं मिली, लेकिन आडवाणी का नेतृत्व महत्वपूर्ण रहा। लाल कृष्ण आडवाणी का भाजपा और भारतीय राजनीति में योगदान अत्यधिक महत्वपूर्ण और स्थायी है। उनके नेतृत्व ने पार्टी को एक मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई।

वर्तमान में लालकृष्ण आडवाणी की भारतीय जनता पार्टी में भूमिका :

वर्तमान में लाल कृष्ण आडवाणी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में भूमिका मुख्य रूप से एक वरिष्ठ नेता और मार्गदर्शक की है। आडवाणी, जो भारतीय राजनीति में दशकों तक सक्रिय और प्रभावशाली रहे, अब सक्रिय राजनीति से काफी हद तक दूर हो चुके हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के बाद, आडवाणी ने पार्टी के सक्रिय संचालन में भागीदारी कम कर दी। 2019 के आम चुनावों से पहले, भाजपा ने उन्हें और अन्य वरिष्ठ नेताओं को चुनावी राजनीति से दूर रखते हुए मार्गदर्शक मंडल (मार्गदर्शक मंडल) में स्थान दिया, जिससे उनकी भूमिका अब परामर्श और मार्गदर्शन तक सीमित हो गई है। हालांकि आडवाणी अब सक्रिय निर्णय लेने वाली भूमिकाओं में नहीं हैं, लेकिन उनका अनुभव और विचारधारा पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण धरोहर है। वे पार्टी के संस्थापक और वरिष्ठतम नेताओं में से एक के रूप में सम्मानित हैं, और उनका योगदान भाजपा की दिशा और नीतियों में हमेशा एक प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा।

निष्कर्ष:

लाल कृष्ण आडवाणी भारतीय राजनीति के एक प्रमुख और प्रभावशाली नेता रहे हैं, जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय शक्ति के रूप में स्थापित करने में केंद्रीय भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व, संगठनात्मक कौशल, और वैचारिक प्रतिबद्धता ने न केवल भाजपा को व्यापक जन समर्थन दिलाया, बल्कि भारत की राजनीतिक दिशा को भी बदलने में मदद की। आडवाणी ने राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को राजनीति के केंद्र में लाया, जिसने भाजपा को एक नई पहचान दी। उनकी रथ यात्राओं और संगठनात्मक प्रयासों ने पार्टी को मजबूती दी, जबकि उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में उनकी सेवाओं ने देश की सुरक्षा और विकास में योगदान दिया। भारतीय राजनीति में आडवाणी का योगदान अद्वितीय और स्थायी है, जिसने उन्हें एक महान राजनेता और विचारक के रूप में स्थापित किया। उनका राजनीतिक सफर न केवल भाजपा बल्कि पूरे देश के राजनीतिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. आडवाणी लाल कृष्ण (2008), "माई कंट्री माई लाइफ",रूपा पब्लिकेशन, नई दिल्ली,पृष्ठ संख्या, 21– 22

2. कुमार शरद (2017),"द आर्किटेक्ट ऑफ ए न्यू इंडिया रू लाइफ एण्ड टाईम ऑफ एल. के. आडवानी", प्रशासन, ब्लू समरी इंडिया , पृष्ठ संख्या 15 – 16

3. गोपाल कृष्ण सुधा(2013),"थे लेंग्सी ऑफ़ .एल .के .आडवाणी", प्रशासन पेंगुइन इंडिया, पृष्ठ संख्या, 33 – 34

4. सोढ़ी सिंह दिलीप (1999),"आडवाणी अयोध्या ए स्टडी ऑफ़ इंडियन पॉलिटिक्स", प्रशासन ,पॉलिटिक्स पब्लिकेशन।

5. टंडन विश्वेश्वर (2000),"आडवाणी द राइज ऑफ़ द बीजेपी", प्रशासन ,रोली बुक्स।

6. कामत वी एम (2000),"एलके आडवाणी एंड द पॉलिटिक्स ऑफ़ द बीजेपी", प्रशासन हार्पर कालिंस, इंडिया,।

7. चंद्रा राम गुहा (2013),"आडवाणी ए पॉलिटिक्स बायोग्राफी", प्रशासन पेंगुइन, वाईकिंग।

8. जटेली जया (2014) ,"नायक ए पॉलिटिक्स बायोग्राफी का एल. के .आडवाणी", प्रशासन हार्पर कालिंस, इंडिया,।